दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

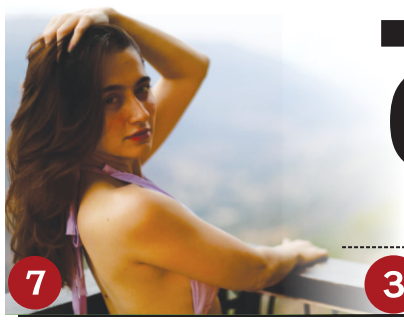

7

3 इंडस्ट्रियल एरिया में प्लांटिंग पर उद्यमियों ने उठाया सवाल

5 पुलिस कस्टडी में व्यापारी की मौत

8 हर्षित-जडेजा के बाद आया श्रेयस शुभमन और अक्षर का तूफान

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 33 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 10 फरवरी, 2025

'कमल' ने किया कमाल

27 साल बाद दिल्ली में 'कमल'राज

सिसोदिया के बाद केजरीवाल भी हारे, आतिशी जीतीं
भाजपा ने खत्म किया 27 साल का वनवास, जोरदार वापसी

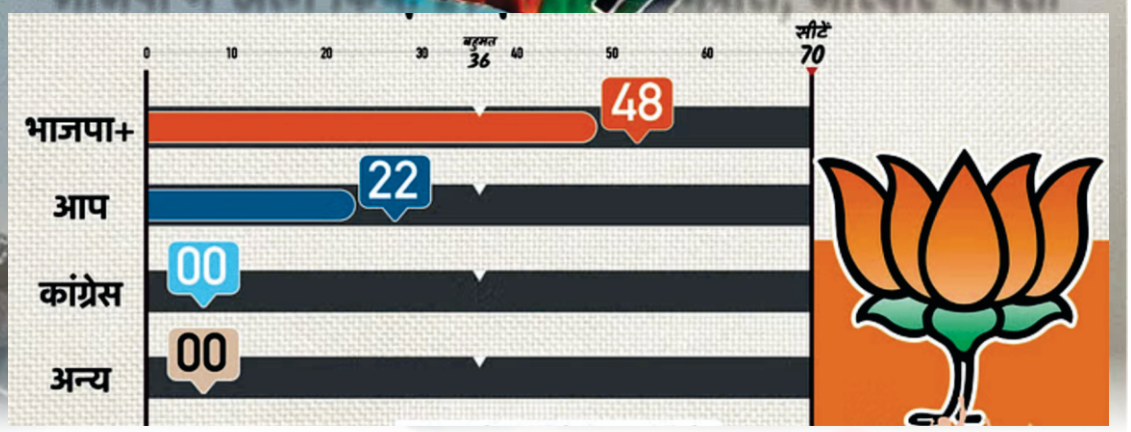

दिल्ली चुनाव नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है. पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली के चौतरफा विकास और यहां के लोगों का जीवन उत्तम बनाने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे, यह हमारी गारंटी है. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर लिखा, जनशक्ति सर्वोपरि! विकास जीता, सुशासन जीता. दिल्ली के अपने सभी भाई-बहनों को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए मेरा वंदन और अभिनंदन! आपने जो भरपूर आशीर्वाद और स्नेह दिया है, उसके लिए आप सभी का हृदय से बहुत-बहुत आभार।

'जनशक्ति सर्वोपरि! विकास जीता सुशासन जीता' चुनाव नतीजों पर PM

'यह अहंकार और अराजकता की हार है' अमित शाह

जनता का फैसला स्वीकार करते हैं, दिल्ली में आप की हार पर बोले केजरीवाल

दिल्ली की सभी 70 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। भाजपा को रुझानों में बहुमत मिल गया है। जंगपुरा सीट से आप के मनीष सिसोदिया हार गए हैं। अरविंद केजरीवाल को भी हार मिली है। इसी के साथ दिल्ली में आम आदमी पार्टी की हार पर पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जनता का फैसला स्वीकार करते हैं। जनता की सेवा करते रहेंगे। भाजपा को जीत की बधाई देता हूं। 10 साल में हमने बहुत काम किया। हम आगे भी सुख-दुख में लोगों के काम आएंगे। बेहतर विपक्ष की भूमिका निभाएंगे।

राप्तीनगर टाउनशिप एवं स्पोर्टस सिटी योजना में भूखंडों का आवंटन

भूखंडों का ई-लाटरी से आवंटन करते प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन, सचिव यूपी सिंह व अन्य।

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की राप्तीनगर टाउनशिप एवं स्पोर्टस सिटी योजना में घर बनवाने की आस पाले 2500 से अधिक आवेदकों में से कई के चेहरों के भाव बुधवार को बदलते रहे। सभागार में ई-लाटरी से भूखंडों का आवंटन हुआ। इस दौरान कई आवंटी सभागार में मौजूद रहे तो कई अपने घर या कार्यस्थल पर ही मोबाइल पर आवंटन मैसेज के आने का बेसब्री से इंतजार करते रहे। जिसके मोबाइल पर भूखंड के आवंटन का संदेश पहुंचा, उनके चेहरे खुशी से खिल उठे तो वहीं जिनकी किस्मत ने साथ नहीं दिया, वे निराश दिखे। इन सबके बीच ई डब्लूएस के लिए आवेदन करने वाले 198 और एलआइजी के लिए आवेदन करने वाले सभी 289 आवेदकों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। भूखंडों के अनुपात में आवेदकों की संख्या कम होने की वजह से सभी के हाथ सफलता लगी। योजना के तहत ईडब्लूएस के 592 और एलआइजी श्रेणी के 502 भूखंड हैं। बुधवार को विभिन्न श्रेणी के कुल 649 भूखंडों का आवंटन हुआ। जीडीए को इन भूखंडों से करीब 153 करोड़ की आय होगी। हालांकि एचआइजी, सुपर एचआइजी, व्यवसायिक, स्कूल, हास्पिटल, बाजार स्ट्रीट, होटल, मल्टीप्लेक्स और ग्रुप हाउसिंग के भूखण्ड की ई-निलामी की प्रक्रिया देर शाम तक जारी रही। प्राधिकरण के मुताबिक इस श्रेणी के कितने आवंटियों को भूखंड मिले, इसकी जानकारी गुरुवार को ही स्पष्ट हो पाएगी।

- गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की राप्तीनगर टाउनशिप एवं स्पोर्टस सिटी योजना में घर बनवाने की आस पाले 2500 से अधिक आवेदकों में से कई के चेहरों के भाव बुधवार को बदलते रहे। सभागार में ई-लाटरी से भूखंडों का आवंटन हुआ। इस दौरान कई आवंटी सभागार में मौजूद रहे तो कई अपने घर या कार्यस्थल पर ही मोबाइल पर आवंटन मैसेज के आने का बेसब्री से इंतजार करते रहे।

हरियाणा के खिलाड़ी की हत्या

दिल्ली। रजत पदक विजेता पावर लिफ्टर की पांच गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पावर लिफ्टर अपनी परिचित युवती के घर गया था। युवती के पड़ोसी के घर के बाहर बाइक खड़ी करने को लेकर झगड़ा हुआ था। गुस्से में पड़ोसी ने पांच गोलियां मार दीं। सोनीपत के प्रगति नगर में गली में बाइक खड़ी करने को लेकर हुए झगड़े में राष्ट्रीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता के रजत पदक और राज्य बेंच प्रेस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता 20 वर्षीय वंश की पांच गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वंश अपनी परिचित युवती के घर डाटा केबल लेने आया था। वंश ने युवती के पड़ोसी के घर के पास बाइक खड़ी कर दी थी। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है।

सम्पादकीय

ट्रम्प की बढ़ती महत्वाकांक्षाएं

अमेरिका के दूसरी मर्तबा राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने शपथ लेने के पखवाड़े भर के भीतर अनेक ऐसे कदम उठाये हैं जो उनके खतरनाक इरादों का इजहार करते हैं

अमेरिका के दूसरी मर्तबा राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने शपथ लेने के पखवाड़े भर के भीतर अनेक ऐसे कदम उठाये हैं जो उनके खतरनाक इरादों का इजहार करते हैं। उनके इन निर्णयों का असर अमेरिका तक ही सीमित रहता तो कोई बात नहीं थी, लेकिन वे अनेक देशों की व्यवस्थाओं को तहस–नहस करने वाले साबित हो सकते हैं। दक्षिणपंथी व पूंजावादी व्यवस्था में गहरा यकीन रखने वाले राष्ट्रपति ट्रम्प ने जो नयी घोषणाएं की हैं उससे विश्व के कुछ हिस्सों में तनाव, तो कुछ क्षेत्रों में असंतुलन की स्थिति बन सकती है। यह तनाव कोई सामान्य सा न होकर विस्फोटक हो सकता है। अमेरिका में रह रहे एक–एक अवैध प्रवासी को निकाल बाहर करने की प्रक्रिया को तो वे प्रारम्भ कर ही चुके हैं, जिसके अंतर्गत भारत को मिलाकर पांच देशों के प्रवासियों को भेजा जा चुका है, ट्रम्प की उछाल मारती विस्तारवादी मंशाएं कहीं अधिक खतरनाक दिखती हैं। वैश्विक स्तर पर इसका विरोध होना चाहिये।

अपने पहले कार्यकाल में, वर्ष 2016 से लेकर 2020 तक ट्रम्प ने इसकी शुरुआत कर दी थी लेकिन कुछ बड़े कदम उठाते, उसके पहले ही उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था। फिर भी मैक्सिको के साथ उन्होंने टकराव शुरू कर दिया था। उन्होंने उस देश से होकर आने वाले अवैध प्रवासियों को रोकने के नाम पर अमेरिका–मैक्सिको सीमा पर दीवार खड़ी करने की बात कही थी साथ ही यह भी कहा था कि इस पर खर्च होने वाली राशि वे मैक्सिको से वसूलेंगे। अब वहां टैरिफ शुल्क देर से देने की भी ट्रम्प ने ऐलान किया और मैक्सिको ने अपने सुरक्षा गार्ड खड़े कर दिये हैं। इतना ही नहीं, 51वें राज्य के रूप में कनाडा को वे अमेरिका में विलय कराना चाहते हैं। हालांकि ऐसा वे वहां के नागरिकों की इच्छा से करना चाहते हैं। ट्रम्प अटलांटिक व प्रशांत महासागरों को जोड़ने वाली व्यवसायिक महत्व की पनामा नहर को अधिग्रहित करना चाहते हैं। इस नहर के जरिये अमेरिका के पश्चिमी व पूर्वी तटों के बीच व्यापार में तो आसानी होगी ही, उसके एशियाई व यूरोपीय मुल्कों के साथ व्यवसाय भी कम खर्चीला व सुविधाजनक होगा। इसी तरह दुनिया के सबसे बड़े द्वीप ग्रीनलैंड को ट्रम्प खरीदना चाहते हैं जो कि डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है। वे इसकी इच्छा जतला भी चुके हैं जिसे ग्रीनलैंड सरकार ने यह कहकर इंकार कर दिया कि श्ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है।श केवल 57 हजार की आबादी वाले इस द्वीप में कई खनिजों के भंडार हैं। यह अमेरिका का सबसे उत्तरी सैन्य ठिकाना है जहां से रूस व अमेरिका के बीच के जल मार्ग पर नजर रखी जाती है। यहां अमेरिका का पिटुफिक स्पेस केन्द्र भी स्थापित है।

अमेरिका फर्स्ट की लहर पर सवार होकर दूसरी बार जीते ट्रम्प के उपरोक्त इरादे तो उनके देश के आसपास के क्षेत्र में ही हलचल पैदा करेंगे परन्तु इजरायल के साथ हुए एक समझौते के अनुसार पश्चिम एशिया के सबसे विवादित व युद्धग्रस्त गजा पर अब अमेरिका का कब्जा होने जा रहा है। फिलीस्तीन और इजरायल के बीच वर्षों से युद्ध का प्रमुख कारण गजा फिलीस्तीनी शरणार्थियों की सबसे बड़ी शरणगाह है जिसे इजरायल 1967 से अपने अधीन मानता है। पहले वह मिस्र का हिस्सा था।

करीब एक वर्ष पहले पश्चिमी देशों की सैन्य मदद से इजरायल ने भीषण हमले कर इसे लगभग खंडहर में बदल दिया है। बमबारी से गजा का 90 फीसदी से अधिक हिस्सा बर्बाद हो गया है। यहां फिर भी लगभग 25 लाख लोग बहुत बुरी हालत में जी रहे हैं जिन्हें समझौते के अंतर्गत मिस्र व जोर्डन में बसाये जाने का प्रस्ताव है और गजा को रिसॉर्ट सिटी बनाया जायेगा। इस सिटी में पश्चिमी देशों के ही लोगों को बसाया जायेगा। इसके लिये अमेरिका समतलीकरण कर उसे पर्यटन केन्द्र में बदलेगा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस समझौते को यदि ऐतिहासिक बताया है तो उनका स्वार्थ यह है कि इसकी सुरक्षा व विकास का जिम्मा अमेरिका का रहेगा व इजरायल का कब्जा पक्का हो जायेगा। इजरायल व्यापक रूप से अमेरिका पर आश्रित है जिसे हर वर्ष 2 लाख करोड़ रुपये की सहायता मिलती है। अरब मुल्कों से घिरे इस देश की सुरक्षा में अमेरिका व उसके कारण पाश्चात्य देश हाथ बंटाते हैं। फिलीस्तीन को हर साल 10 हजार करोड़ रुपये की जो मदद अमेरिका देता था वह भी नये राष्ट्रपति ने बन्द कर दी है।

अपनी वैश्विक जिम्मेदारियों से बचने के लिये वैसे भी अमेरिका अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर निकलता जा रहा है। वीटो पावर के आकर्षण में वह संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) में बना हुआ है लेकिन ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र संघ मानवाधिकार परिषद से देश को बाहर निकालने का आदेश दे दिया है। 1991 में हुआ सोवियत संघ का विखंडन दुनिया को भारी पड़ रहा है क्योंकि अब अमेरिका के इस तरह के कदमों का विरोध करने वाली कोई भी शक्ति नहीं बची है। ट्रम्प की छवि व ख्याति एक जिद्दी व सनकपूर्ण फैसले लेने वाले व्यक्ति के रूप में है। अपने देशवासियों के समक्ष अमेरिका के प्रति पूर्णतः समर्पित नेता की छवि बनाने के लिये वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। अपनी ही तरह के दक्षिणपंथी नेताओं तथा पूंजापतियों का अंतरराष्ट्रीय गठजोड़ किस तरह से आकार ले रहा है उसकी बानगी उनके शपथ ग्रहण में दिखी थी। अपने क्षेत्र में टकराव को उद्धत ट्रम्प के वैश्विक कदमों का खामियाजा दुनिया को भुगतना पड़ सकता है जैसा कि पहले भी बड़ी लड़ाइयों के रूप में मानवता देख चुकी है। इसलिये अमेरिका को रोकना जरूरी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि नयी परिस्थतियों में चीन की क्या भूमिका होगी? भारत यदि गुट निरपेक्षता की राह पर चलता रहता तो उसकी आवाज महत्वपूर्ण होती।

बीमा निजीकरण के पीछे क्या है

बीमा निजीकरण का सरकारी और उदारीकरण अभियान का मिशन पूरा होने को है

अब अनुभव या उपभोक्ताओं के हित या देश की अर्थव्यवस्था का लाभ घाटा देख समझकर यह कदम उठाया जा रहा है तो इसके अपने तर्क ज्यादा कमजोर नहीं हैं। असल में पूंजीध्शेयर बाजार, बीमा और बैंकिंग प्रधानतरू पूंजीवाद का सबसे मजबूत उपकरण बन गए हैं और इस अर्थव्यवस्था में पूंजी का इंतजाम करने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। बीमा निजीकरण का सरकारी और उदारीकरण अभियान का मिशन पूरा होने को है। इस बार बजट में सौ फीसदी विदेशी पूंजी वाली बीमा कंपनियों के लिए दरवाजे खोले जा चुके है और उम्मीद की जा रही है कि संसद के इसी सत्र में सरकार नया बीमा संशोधन विधेयक पास कराने का प्रयास करेगी और जो स्थिति है उसमे इसे पास कराने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

इस बार मजदूर संगठनों से और किसी अन्य संगठित से विरोध के लक्षण अभी तक नहीं दिखे हैं। चार साल पहले जब सरकार ने विदेशी भागीदारी की सीमा 74 फीसदी की थी तब देश की चारों आम बीमा कंपनियों के साथ बैंक अधिकारियों के संगठन ने साझा विरोध अभियान चलाया और कई मामलों में सरकार को कदम वापस खींचने पड़े। और पांच साल का अनुभव यही बताता है कि उससे खास बात बनी नहीं। न ज्यादा नई पूंजी आई ना ही देश में चल रही कंपनियों में खरीद या घुसपैठ में ज्यादा दिलचस्पी ली गई। एक ही बड़ी निजी कंपनी कोटक महिंद्रा में अदल–बदल हुई। इससे न तो ज्यादा पूंजी आई न उत्साह दिखा।

इस बार यह कदम उठाने के पीछे यह अनुभव तो था ही उदारीकरण के बचे–खुचे मिशन को पूरा करने का उद्देश्य भी होगा। और माना जा रहा है कि जो बिल सदन में लाया जाएगा उसमें रोक–टोक और निवेश की शर्तों में श्बाधाश बनने वाले प्रावधानों को निपटाने की तैयारी है।

दो आर्थिक अखबारों को बजट के बाद दिए इंटरव्यू में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो कुछ कहा उसका शत–प्रतिशत विदेशी पूंजी वाली बीमा कंपनियों के निदेशक मण्डल में हिन्दुस्तानी सदस्यों और विशेषज्ञों को रखने की अनिवार्यता वाला अभी का प्रावधान उठा लिया जाएगा। प्रीमियम से वसूली रकम को देश में ही लगाने की शर्त रहेगी लेकिन ऐसी कंपनियों को मुनाफा बांटने और निवेश संबंधी फैसलों में पूरी आजादी दी जाएगी। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ का कहना है कि कई नियम और प्रावधान अप्रासंगिक बन गए हैं इसलिए उनको भी बदला जाएगा– हालांकि उन्होंने ऐसे प्रावधानों का जिक्र नहीं किया। इन कदमों से क्या नतीजा आएगा, इसके बारे में जानकार लोगों की राय अभी भी बंटी हुई है। कई लोगों को लगता है कि सौ फीसदी मिल्कियत होने से भारी मात्रा में पूंजी ही नहीं आएगी, बीमा का व्यवसाय भी बदलेगा और बहुत नए तथा आकर्षक प्रोडक्ट लांच होंगे। इससे भारतीय समाज लाभान्वित होगा। ऐसे लोग भी हैं जिनका मानना है कि उदारीकरण के पूरे दौर या उससे पहले से देशी बीमा कंपनियों का जैसा काम चलता रहा है उसमें विदेशी कंपनियों के लिए ज्यादा गुंजाइश नहीं है।

यह बात अभी तक के अनुभव से भी सही ठहरती है क्योंकि प्रीमियम जुटाने या क्लेम के निपटारे में पहले पांच स्थानों पर अभी भी देशी कंपनियां ही बनीई हुई हैं और ये सब की सब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हैं। उनके क्लेम निपटारे का रिकार्ड विदेशी भागीदारी वाली कंपनियों से बहुत अच्छा है और उनके यहां पॉलिसीज को लेकर विवाद(कानूनी भी) बहुत कम हैं। यह बात लगातार सबकी जानकारी में है कि उदारीकरण अभियान में शुरू से ही बैंकिंग, पूंजी बाजार और बीमा को खोलने का दबाव रहा है। यह काम लाख विरोध और विदेशी हिस्सेदारी बढ़ाने के खराब अनुभव के बावजूद लगातार आगे बढ़ा है। और इस बार उसे अंतिम नतीजे तक पहुंचाने का फैसला हुआ है। यह माना जाता है कि इस सरकार ने सिर्फ दो बीमा कंपनियों(जिनमें एक जीवन बीमा और दूसरी सामान्य बीमा) और पांच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को ही अपने हाथ में रखकर बाकी सबको बाजार के हवाले करने का मन बनाया है। जब भारतीय मजदूर संघ समेत अन्य मजदूर संघों और राजनैतिक विरोध ज्यादा दिखा तो बात दबा ली गई, इस बार कहीं से कोई आवाज नहीं है तो शत–प्रतिशत विदेशी निवेश का फैसला कर लिया गया।

अब अनुभव या उपभोक्ताओं के हित या देश की अर्थव्यवस्था का लाभ घाटा देख समझकर यह कदम उठाया जा रहा है तो इसके अपने तर्क ज्यादा कमजोर नहीं हैं। असल में पूंजीध्शेयर बाजार, बीमा और बैंकिंग प्रधानतरू पूंजीवाद का सबसे मजबूत उपकरण बन गए हैं और इस अर्थव्यवस्था में पूंजी का इंतजाम करने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। अपनी आर्थिक व्यवस्था के मजबूत पदों पर बैठे किसी व्यक्ति से बहस कीजिए तो वह आपके सारे तर्क मानकर भी आखिर में यही कहेगा कि यह कदम देश की उदार निवेश व्यवस्था में भरोसा पैदा करने के लिए जरूरी है और इन तीनों क्षेत्रों में उदारीकरण के लिए जिन कदमों को उठाया गया उसके लाभ या घाटा जो भी रहे हों बात आगे ही बढ़ती गई है तो बीमा क्षेत्र को शत–प्रतिशत खोलना रोका नहीं जा सकता था। यह एक तरह की पूर्णाहुति है।

लेकिन बीमा व्यवसाय से जुड़े लोग आपको ठीक–ठीक हिसाब बताकर यह समझा देंगे कि देसी कंपनियों का कारोबार विदेशी और नामधारी कंपनियों से बेहतर है। प्रीमियम जमा करने और दावे निपटाने का रिकार्ड भी बेहतर है–बल्कि पहले पांच स्थानों पर सार्वजनिक क्षेत्र वाली कंपनियां हैं। इस मामले में यह उल्लेख करना जरूरी है कि क्लेम के मामले में एक ओर बड़ी कंपनियों के चंट वकील और लीगल टीम होती है तो दूसरी तरफ अपनी बचत का पाई–पाई लगाने वाला अकेला ग्राहक। अपने यहां, विदेशी और निजी बीमा कंपनियों से यह शिकायत आम है कि उनके एजेंट जिस पॉलिसी के नाम पर स्वीकृति और पैसा लेते हैं बाद में वह किसी और पॉलिसी में बदल देते है–आम तौर पर बाजार में ज्यादा जोखिम वाली योजनाओं में पैसा लगाया जाता है।

लेकिन जिस चीज की असली चर्चा होनी चाहिए वह इन कंपनियों से मिलने वाले बीमा के दायरे का है। वह विदेशी नाम या बड़े ब्रांड का बीमा तो करेंगे लेकिन देसी और छोटे उद्यमियों के उत्पाद बीमा के दायरे से बाहर हो जाते हैं, इसे अभी सबसे अच्छी तरह बीमारी के इलाज के सिलसिले से समझा जा सकता है। कल को मकान, दूकान, फर्नीचर, बरतन–बासन और हर चीज के बीमा में यह भेद दिखेगा और लगेगा कि विदेशी बीमा कंपनियां कुछ खास संगी साथियों की मदद करने आई है–आम लोगों से उनका कोई मतलब नहीं है। इससे भी ज्यादा घातक बात निवेश वाली कंपनियों का चुनाव है जो बहुत स्पष्ट ढंग से पक्षपात बढ़ाती हैं। पैसा हमारा आपका और निवेश का फैसला इन कंपनियों के हाथ में जाने से कुछ कंपनियों की आश्चर्यजनक तेज वृद्धि का रहस्य समझा जा सकता है। सो वे तो शत–प्रतिशत विदेशी मिल्कियत के लिए बेचौन होंगी ही हमारी सरकारें क्यों निरंतर उनका मिशन आगे बढ़ाने में लगी रही हैं यह समझना खास मुश्किल नहीं होना चाहिए।

वैश्विक तेल व्यापार, ओपेक रणनीतियों पर गहरा प्रभाव

यदि चीन अमेरिकी ऊर्जा निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर या अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं की कीमत पर ओपेक उत्पादकों से खरीद बढ़ाकर जवाबी कार्रवाई करता है, तो यह तेल व्यापार के भीतर मौजूदा शक्ति संतुलन को बदल सकता है। ओपेक को अपनी प्रतिक्रिया तैयार करते समय इन संभावित बदलावों को ध्यान में रखना चाहिए। ओपेक एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा संकट के केंद्र में है, क्योंकि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं पर टैरिफ लगाने से उत्पन्न नयी चुनौती से जूझ रहा है।

टैरिफ, जिसमें केनेडा के तेल पर 10 प्रतिशत और प्रतिशोध में केनेडा में अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है, ने वैश्विक तेल मांग को बाधित करने, व्यापार प्रवाह को विकृत करने और ऊर्जा बाजारों में ओपेक द्वारा पहले से ही जटिल नाजुक संतुलन को बनाये रखने और अधिक खतरे में डाल दिया है। ट्रम्प ने उसके बाद केनेडा और मेक्सिको के खिलाफ प्रतिबंधों को 30 दिनों के लिए रोकने की घोषणा की है, लेकिन जोखिम बने हुए हैं, जो बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य को नकारात्मक करते हुए कीमतों को स्थिर करने की ओपेक की क्षमता की और परीक्षा करते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका के दो सबसे बड़े कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं, केनेडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने के फैसले ने रिफाइनिंग सेक्टर में हलचल मचा दी है। अगर केनडाई और मेक्सिकन तेल को दूसरे बाजारों में भेजा जाता है, तो अमेरिकी रिफाइनर आपूर्ति की कमी का सामना कर सकते हैं, जिससे घरेलू ईंधन की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। ओपेक, जिसने पहले बाजार को स्थिर करने के लिए 2025 की दूसरी तिमाही में उत्पादन में कटौती को वापस लेने की घोषणा की थी, अब खुद को एक चौराहे पर पाता है। टैरिफ नयी जटिलताएं पेश करते हैं, क्योंकि केनेडा और मेक्सिकन कच्चे तेल के बढ़ते अधिशेष से वैश्विक बाजार भर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। साथ ही, अमेरिकी आपूर्ति बाधाओं और रिफाइनरी इनपुट में व्यवधान से क्षेत्रीय कीमतों में उछाल आ सकता है। ओपेक को अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए अपनी रणनीति को समायोजित करते हुए सावधानी से आगे बढ़ना होगा, साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके अपने सदस्य व्यापार प्रवाह में बदलावों से असंगत रूप से पीड़ित न हों।

तेल बाजार मौलिक रूप से तेजी पर बना हुआ है। जनवरी के मध्य में कीमतें लगभग 82 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर पहुंच गयीं, जो रूस के कड़े प्रतिबंधों और आपूर्ति बाधाओं के कारण हुआ।

हालांकि, अब टैरिफ लागू होने के साथ, अनुमानों से संकेत मिलता है कि कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल की सीमा के आसपास स्थिर हो सकती हैं। ओपेक के पास भू–राजनीतिक संकटों के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, जिसने दशकों से कई आपूर्ति प्रतिबंधों को संभाला है। सैन्य संघर्षों से लेकर राजनीतिक रूप से प्रेरित उत्पादन कैप और कोटा तक, समूह ने वैश्विक तेल बाजारों पर अपना प्रभाव बनाये रखते हुए बाहरी झटकों का जवाब देने की अपनी क्षमता का बार–बार प्रदर्शन किया है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाये गये टैरिफ एक अलग तरह की चुनौती पेश करते हैं – जो प्रत्यक्ष आपूर्ति हेरफेर के बजाय व्यापार नीति में निहित है।

गोरखपुर में युवती की सिर कटी लाश मिली

हत्या कर फेंका गया शव, पहचान करने में जुटी पुलिस

गोरखपुर। गोरखपुर में एक अज्ञात युवती का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला। मामला गगहा इलाके के सिलनी पुलिया के पास गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन का है। शव की हालत बेहद खराब थी और उसका सिर तथा सीने का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह कुचला गया था। इस सूचना के बाद गगहा पुलिस मौके पर पहुंची, साथ ही आलाधिकारी और डांग स्कायड टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

राहगीरों ने दी पुलिस को सूचना

गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे गगहा के सिलनी पुलिया के पास सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने अज्ञात युवती का शव देखा और तुरंत गगहा पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दक्षिणी जितेन्द्र कुमार और क्षेत्राधिकारी दरवेश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और शव का निरीक्षण किया।

हालांकि, मृतक युवती की पहचान नहीं हो पाई है। डांग स्कायड की टीम ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

मृतक युवती का शरीर बुरी तरह क्षतिग्रस्त

युवती के शव के सिर, सीने और हाथ को बुरी तरह कुचला गया था, जिससे उसकी पहचान में कठिनाई हो रही थी। पुलिस के अनुसार, युवती की उम्र करीब 25 साल के आस–पास हो सकती है। शव पर जींस, मोजे और स्वेटर–टोपी जैसी वस्त्र थीं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वह किसी अच्छे परिवार से ताल्लुक रखती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती के शव को नरकुल की रस्सी से बांधकर सड़क के किनारे फेंका गया था। घटनास्थल पर खून के निशान और हड्डी के टुकड़े भी दिखाई दिए।

निर्ममता की हदें पार करते हुए युवती को मारा गया

शव को देख कर यह साफ नजर आता है कि युवती के साथ अत्यधिक निर्ममता से घटना को अंजाम दिया गया। शव को इस तरह से फेंकने से यह प्रतीत होता है कि अपराधी ने पहचान छिपाने के लिए शव की स्थिति बिगाड़ दी थी।

पुलिस के लिए चुनौती बनी पहचान

पुलिस के लिए इस मामले में सबसे बड़ी चुनौती मृतक युवती की पहचान करना और यह पता लगाना है कि घटना कहाँ घटी। शव के ऊपरी हिस्से को कुचला गया था, जिससे पहचान में कठिनाई हो रही है। गगहा पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। थानाध्यक्ष गौरव कुमार वर्मा के अनुसार, घटना कहीं और घटी हो सकती है, और शव को यहां लाकर फेंका गया है।

गोरखपुर में फर्जी अभ्यर्थी को पकड़ा

गोरखपुर। गोरखपुर में कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में साल्वर बैठाकर सशस्त्र सीमा बल में कांस्टेबल की नौकरी पाने आए युवक का फर्जीवाड़ा पकड़ा में आ गया। ज्वाइनिंग के दौरान जब अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच की तो परीक्षा में दिए गए फोटो और हस्ताक्षर से गड़बड़ी सामने आई।शक होने पर गहराई से जांच की गई, जिसमें फर्जीवाड़ा साबित हुआ। अधिकारियों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। चिलुआताल पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

फोटो–हस्ताक्षर नहीं मिले तो हुआ शक

डिप्टी कमांडेंट जय प्रकाश आर्य ने बताया कि छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव जिले के बर्धमान गांव का रहने वाला शैलेन्द्र कुमार एसएससी 2024 की परीक्षा में पास हुआ था। नई दिल्ली स्थित बल मुख्यालय ने उसे एसएसबी में कांस्टेबल पद के लिए नियुक्ति पत्र जारी किया था। गोरखपुर के प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र में जब वह ज्वाइनिंग के लिए पहुंचा तो उसकी परीक्षा के समय जमा की गई तस्वीर और हस्ताक्षर से मिलान किया गया। अंतर मिलने पर अधिकारियों को शक हुआ और दस्तावेजों की गहन जांच शुरू की गई। आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, दसवीं की अंक तालिका और अन्य कागजात चेक करने पर पुष्टि हुई कि परीक्षा किसी और ने दी थी।

असली परीक्षार्थी की तलाश में जुटी पुलिस

सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि एसएसबी अधिकारियों ने जब फर्जीवाड़ा पकड़ा तो युवक को तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब यह जांच की जा रही है कि परीक्षा में असली अभ्यर्थी की जगह कौन बैठा था और इसमें और कौन–कौन शामिल है। पुलिस पूरे मामले की तहकीकात कर रही है।

गोरखपुर में जमीन जालसाजी का आरोपी गिरफ्तार

बैंकाक से लौटते ही कोलकाता एयरपोर्ट पर पकड़ाया, कोर्ट ने भेजा जेल

गोरखपुर। गोरखपुर में जमीन जालसाजी के मामले में वांछित रामबेलास गुप्ता को कोलकाता एयरपोर्ट पर गिरफ्तार करने के बाद पिपराइच पुलिस ने गुरुवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सात महीने पहले मुकदमा दर्ज होने के बाद वह बैंकाक भाग गया था। पुलिस की रिपोर्ट पर ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर लुक आउट नोटिस जारी किया था, जिसके चलते उसे एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया।

ऐसे हुआ खुलासा

आराजी चौरी गांव के पूर्व ग्राम प्रधान चंद्र प्रताप सिंह ने 9 जून 2024 को दिव्यनगर महादेव झारखंडी के रहने वाले रविकेश गुप्ता, रामबेलास गुप्ता और बांसगांव के रहने वाले हरेंद्र के खिलाफ जालसाजी और धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि इन लोगों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर 22 डिस्मिल जमीन का बैनामा करा लिया।

बैंकाक से लौटते ही पकड़ाया

नार्थ जितेंद्र कुमार के मुताबिक, रामबेलास गुप्ता मुकदमा दर्ज होने के बाद बैंकाक भाग गया था। लुक आउट नोटिस जारी होने की वजह से जैसे ही वह भारत लौटा, कोलकाता एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया।

पिपराइच पुलिस ने बंगाल के 24 परगना कोर्ट में पेशी के बाद उसे अभिरक्षा में लेकर गोरखपुर लाया और कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इंडस्ट्रियल एरिया में प्लाटिंग पर उद्यमियों ने उठाया सवाल

मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में जीडीए ने कहा–लेआउट पर लगा दी है रोक

गोरखपुर। आयुक्त सभागार में मंडलीय उद्योग बंधु की अध्यक्षता करते हुए कमिश्नर ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में चैंबर आफ इंडस्ट्रीज ने इंडस्ट्रियल एरिया में औद्योगिक इकाइयों के बीच आवासीय प्लाटिंग का मुद्दा उठाया। उद्यमियों ने कहा कि फर्टिलाइजर जैसे रेड श्रेणी के उद्योग के पास आवासीय प्लाटिंग कैसे हो रही है? क्या फर्टिलाइजर को कहीं शिफ्ट करने की तैयारी है?

प्लाटिंग के बारे में पूछे जाने पर गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित सहायक अभियंता राजबहादुर सिंह ने बताया कि जमीन आवासीय हो चुकी है। लेकिन लेआउट पर रोक लगा दी गई है।

उद्यमियों ने विकास नगर बरगदवा बुद्ध आटा मिल एवं पूजा फ्लोर मिल के बीच प्लाटिंग पर सवाल उठाया था। बैठक की अध्यक्षता कर रहे कमिश्नर अनिल ढींगरा ने बताया कि इस मामले में जीडीए उपाध्यक्ष से बात की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर सुना जाए और समय से उनका निस्तारण किया जाए। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

चैंबर ने उठाए सवाल

चौंबर आफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह एवं महासचिव भोला जायसवाल ने बैठक में कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2019 में जीडीए के तत्कालीन उपाध्यक्ष अमित बंसल की अध्यक्षता में गठित 7 सदस्यीय समिति ने फर्टिलाइजर को रेड श्रेणी एवं अत्यधिक प्रदूषण वाली सूची में रखा था। इसे औद्योगिक श्रेणी में बनाए रखना उचित होगा। उद्यमियों ने कहा कि रिपोर्ट के विपरीत जाकर भू उपयोग कैसे परिवर्तित कर दिया गया। चौंबर इस मामले में मुख्यमंत्री से भी मिलने की तैयारी कर रहा है।

उठाया गया रखरखाव शुल्क बढ़ाने का मामला

लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल ने इस वर्ष फिर रखरखाव शुल्क बढ़ाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले साल 10 प्रतिशत शुल्क बढ़ाया गया था। शुल्क वृद्धि की जानकारी किसी को नहीं दी गई। हर साल वृद्धि करना अनुचित है। गीडा सीईओ अनुज मलिक ने कहा कि उनकी ओर से ऐसा कोई आदेश पारित नहीं है। वह मामले को दिखाएंगी। दीपक कारीवाल ने गीडा बोर्ड के मिनट्स उपलब्ध कराने की अपील की। कमिश्नर ने कहा कि इसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। दीपक ने कहा कि गीडा बोर्ड की बैठक में कम से कम 2 उद्यमियों को शामिल किया जाए। भले ही वे विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में हों। कमिश्नर ने गीडा सीईओ को इस मामले में शासन को प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।

उद्यमियों की समस्याओ का समय से हो निस्तारण

कमिश्नर ने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का समय से व गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाए। बैठक में कामन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) का मुद्दा भी उठा। सीईओ की ओर से बताया गया कि इस मामले में दोबारा टेंडर की प्रक्रिया चल रही है। कमिश्नर ने औद्योगिक आस्थान, औद्योगिक क्षेत्र, लच्छीपुर एवं औद्योगिक क्षेत्र विकास नगर में विद्युत तारों को अंडरग्राउंड करने के संबंध विद्युत विभाग को तत्काल प्रभाव से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने रोजगारपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कहा कि लक्ष्य को शत–प्रतिशत पूरा किया जाए।

हुक्का बार में गैंगरेप 27 दिन में पुलिस ने लगाई चार्जशीट सरगना की पत्नी भी शामिलय रेशमा अभी भी फरार

शाहपुर पुलिस ने हुक्का बार चलाने के केस में भी केवल 27 दिन में चार्जशीट तैयार कर दाखिल कर दी है। वहीं, रामगढ़ताल थाने में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों की सहयोगी रेशमा की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है।

गोरखपुर। हुक्का बार में पकड़े गए लड़के–लड़कियों से पूछताछ कर उनके परिजनों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया। मौके पर फ्लाइ इन–2 का मालिक अनुराग कुमार सिंह, मोहनापुर का आकाश यादव, बिछिया के रोहित छेत्री और विनय साहनी पकड़े गए थे। इनके साथ ही भागने वाले अनिरूद्ध ओझा, उसकी पत्नी रुचि शर्मा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह पर शाहपुर में केस दर्ज किया गया था।शाहपुर पुलिस ने हुक्का बार चलाने के केस में भी केवल 27 दिन में चार्जशीट तैयार कर दाखिल कर दी है। वहीं, रामगढ़ताल थाने में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों की सहयोगी रेशमा की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है। बहुत जल्द एनबीडब्ल्यू लेकर उसपर इनाम घोषित करने की भी तैयारी चल रही है। इलाके के जेनिस बॉटल रेस्टोरेंट में नौ जनवरी की रात में पुलिस ने छापा मारा था। इस दौरान वहां धुआं उड़ाते मिले 15 लड़के–लड़कियों के साथ ही हुक्का बार के संचालक और तीन कर्मचारियों को पकड़ लिया। मौके से ही 10 हुक्का और तंबाकू व फ्लेवर भी बरामद कर संचालक समेत आठ पर केस दर्ज किया गया था।

अभी तक पुलिस रेशमा की तलाश में महराजगंज और प्रयागराज जा चुकी है। महराजगंज और मेडिकल कॉलेज के पास वह किराये के घर में रहती थी। दोनों ही जगहों पर मकान खाली कर चुकी है। पुलिस को अब उसका एक और ठिकाना मिल गया है। बहुत जल्द उस पते पर नोटिस भेजकर रेशमा के खिलाफ पुलिस एनबीडब्ल्यू लेगी।

हुक्का बार केस में सरगना की पत्नी भी आरोपी

हुक्का बार में पकड़े गए लड़के–लड़कियों से पूछताछ कर उनके परिजनों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया गया। मौके पर फ्लाइ इन–2 का मालिक अनुराग कुमार सिंह, मोहनापुर का आकाश यादव, बिछिया के रोहित छेत्री और विनय साहनी पकड़े गए थे। इनके साथ ही भागने वाले अनिरूद्ध ओझा, उसकी पत्नी रुचि शर्मा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह पर शाहपुर में केस दर्ज किया गया था। इस केस की जांच पड़ताल के बाद ही तीन किशोरियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया।

च्वसपबम ीं पिसमक बींतहम ीममज पद जीम उवसमंजंजपवद बेंम पद ीववी इंत व िळवतंीचनत, त्मीउं पे `जपसस ंइेबवदकपदह.

अवैध हुक्का बार में पुलिस ने रेड मारी – फोटो रू अमर उजाला

तीनों किशोरियों ने केस दर्ज कराया। पहला केस रामगढ़ताल इलाके की किशोरी ने दो जनवरी को रामगढ़ताल थाने में दर्ज कराया। इसके बाद शाहपुर थाने में कैंपियरगंज की किशोरी ने दस जनवरी और दूसरी देवरिया की किशोरी ने 13 जनवरी को परिवार के साथ पहुंचकर केस दर्ज कराया था।

दो केस में अनिरुद्ध ओझा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह और प्रियांशु का नाम सामने आया। पुलिस ने 14 जनवरी को आरोपियों को गिरफ्तार जेल भिजवा दिया था। शाहपुर थाने में 13 जनवरी को दर्ज एफआईआर में पुलिस ने अनिरुद्ध ओझा, आदित्य मौर्या और निखिल सिंह पर चार्जशीट दाखिल कर दी है। जबकि अन्य केस की विवेचना में अन्य आरोपितों का नाम सामने आएगा।

एक केस में पहले ही दाखिल हो चुकी चार्जशीट

फ्लाइ इन होटल के हुक्का बार में कैंपियरगंज की किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने दो दिन पहले ही चार्जशीट दाखिल कर दी थी। वहीं रामगढ़ताल थाने में दर्ज केस की विवेचना जारी है और जल्द ही उसमें भी चार्जशीट लगाने की तैयारी है।

एक होटल के खिलाफ मिला साक्ष्य

देह व्यापार के केस में गीडा इलाके के चार और मोहद्दीपुर के एक होटल का नाम भी सामने आया है। इन होटलों में देह व्यापार की बात सामने आने पर इनके मालिकों का बयान पुलिस ने लिया है। एक होटल के खिलाफ जांच में साक्ष्य मिल गए हैं, जिसके आधार उसपर कार्रवाई की तैयारी चल रही है। अन्य होटलों की जांच जारी है। शाहपुर स्थित रेस्टोरेंट में छापा मारा गया तो वहां पर हुक्का बार चलता मिला था, इसके बाद केस दर्ज किया गया। इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है।ऽअभिनव त्यागी, एसपी सिटी।

दुष्कर्म केस–सांसद का कबूलनामा

वायरल आडियो में मेरी ही आवाज..., जेल में भेजा गया था वश्वयस सैंपलिंग का नोटिस

दुष्कर्म केस मामले में सांसद ने कबूल किया कि वायरल आडियो में उनकी ही आवाज है। जेल में वॉयस सैंपलिंग का नोटिस भेजा गया था।

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में दुष्कर्म मामले में जेल में बंद आरोपी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने वॉयस सैंपल देने से शुक्रवार को मना कर दिया। सीजेएम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। इसमें कहा कि ऑडियो रिकॉर्डिंग में आवाज उनकी ही है। ज्ञात हो कि जांच अधिकारी ने वॉयस सैंपलिंग के लिए जेल में नोटिस भेजा था। इसमें कांग्रेस सांसद ने 7 फरवरी तक का मौका लिया था। अब उन्होंने अपनी आवाज होने की बात कबूल ली है।

दुष्कर्म के आरोपी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर का वाइस सैंपल लेने के लिए कोतवाल व विवेचक अनूप शुक्ला ने सीजेएम कोर्ट में अर्जी दी थी, जिसे मंजूर कर लिया गया था। कोर्ट के माध्यम से जेल में बंद सांसद के पास

वाइस सैंपल की अर्जी रिसीव भी हो गई थी। सांसद राकेश राठौर की पीड़िता से हुई बातचीत की वायरल रिकॉर्डिंग को भी विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजे जाने की कवायद शुरू कर दी गई है।

यहां बताते चलें कि सीतापुर शहर की रहने वाली एक महिला ने 17 जनवरी को कांग्रेस सांसद राकेश राठौर पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। इसके बाद एक ऑडियो वायरल हुआ था। दावा किया जा रहा था कि छह मिनट के इस ऑडियो में सांसद और पीड़िता के बीच बातचीत हो रही है। ऑडियो में पीड़िता ने कई बातों को सांसद के साथ साझा किया था। ऑडियो को पुलिस ने अपने साक्ष्य में शामिल किया है।

यह ऑडियो रिकॉर्डिंग पीड़िता ने एक पेन ड्राइव में पुलिस को उपलब्ध कराई है। अमूमन इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों में छेड़छाड़ की आशंका होती है। इसलिए पुलिस विधिक प्रकिया को अपनाते हुए ऑडियो की पुष्टि कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रिकॉर्डिंग में कोई छेड़छाड़ तो नहीं की गई है।

इसके साथ ही आरोपी सांसद का वाइस सैंपल भी लिया जाएगा। वायरल हुई रिकॉर्डिंग व वाइस सैंपल का मिलान कराया जाएगा।

रांची डबल मर्डर केस में बिहार रेजिमेंट का जवान गिरफ्तार

रांची में दो लोगों की हत्या में एके–47 के साथ धराया बिहार रेजिमेंट का जवान
झारखंड के रांची में सेना के जवान ने जमीन विवाद में दो को भून डाला था
बरामद एके–47 निकली सेना की, जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा से जुलाई, 2024 में हुई थी चोरी
रांची पुलिस ने पूछताछ के बाद जवान और उसके दोस्त को भेजा जेल

संवाददाता, रांची। झारखंड की राजधानी रांची के नगड़ी में दो लोगों की हत्या के मामले में पुलिस ने बिहार रेजिमेंट के जवान मनोहर टोप्पो और उसके दोस्त मनोज कच्छप को एके–47 और गोलियों से साथ गिरफ्तार किया है। मनोहर की गिरफ्तारी के साथ ही जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा स्थित सेना के बैरक से जुलाई, 2024 में एक एके–47 चोरी होने के मामले का भी पर्दाफाश हो गया है।

पुलिस ने पूछताछ के बाद सेना के जवान मनोहर और उसके दोस्त को जेल भेजा दिया है। रांची जिले के नगड़ी में बुधवार को बुधराम मुंडा और मनोज कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इसी मामले में नगड़ी निवासी सेना के जवान और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया। घटना को अंजाम देने के बाद मनोहर ने जंगल में एके–47 गाड़ दी थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने हथियार बरामद किया है।

रांची के एसएसपी ने क्या बताया ?

रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि जमीन विवाद में बुधराम मुंडा और मनोज कच्छप की हत्या हुई। जवान मनोहर ने 36 डिसमिल जमीन के लिए बुधराम के भाई शनिचरा को दो लाख रुपये दिए थे। इसके लिए 2015 में एग्रीमेंट हुआ था, लेकिन कुछ दिनों के बाद कुएं में डूबने से शनिचरा की मौत हो गई। इसके बाद बुधराम ने जमीन देने से इन्कार कर दिया। इसे लेकर विवाद हुआ। बाद मनोहर ने बुधराम से कहा कि 36 डिसमिल नहीं तो 18 डिसमिल जमीन ही दे दो। बुधराम ने मनोहर से दो लाख रुपये लिए, लेकिन जमीन नहीं दी। इसी के बाद मनोहर ने हत्या की योजना बनाई और बुधवार की रात दुकान से निकलते समय बुधराम को गोली मार दी। बीच–बचाव करने सामने आए मनोज को भी गोलियों से भून डाला।

हत्या के लिए कुपवाड़ा के बैरक से चुराई एके–47

मनोहर बिहार रेजिमेंट का जवान है। 47 राष्ट्रीय राइफल्स में दो साल के लिए उसकी पोस्टिंग हुई थी। हत्याकांड को अंजाम देने के लिए जुलाई 2024 में कुपवाड़ा स्थित सेना के बैरक से एके–47 चोरी की। इसके बाद अपने दोस्त सुनील कच्छप को जम्मू बुलाया। सुनील फ्लाइट से जम्मू पहुंचा और एके–47 लेने के बाद वहां से बस से दिल्ली पहुंचा। ट्रेन से रांची आया और हथियार छिपाकर रख दिया। जम्मू में सुनील को हथियार देने के बाद मनोहर ड्यूटी पर बरेली चला गया। इसके बाद मनोहर एक माह की छुट्टी लेकर रांची पहुंचा। मनोहर को नौ फरवरी को वापस ड्यूटी पर जाना था। इस वजह से नौ फरवारी से पहले उसने बुधराम को मार देने की योजना बनाई।

एके–47 चोरी में कई जवानों की फंसी थी नौकरी

मनोहर ने पुलिस को बताया है कि एके–47 की चोरी के मामले में सेना में जांच चल रही है। कई जवानों की नौकरी फंसी हुई है। अब मामले का पर्दाफाश होने के बाद जवानों की नौकरी बच जाएगी। चोरी के समय मनोहर कुपवाड़ा में तैनात था। उसके बैरेक में रहने वाले कई जवानों पर हथियार चोरी की जांच बैठी है। एसएसपी ने बताया कि इस मामले की रिपोर्ट सेना को भेजी जाएगी।

भतीजी की शादी में शामिल होने आए नायब सूबेदार की मौत

संत कबीर नगर। परिजनों के अनुसार मंगलवार रात करीब आठ बजे वह घर के लोगों के साथ खाना खा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबियत बिगड़ने लगी। परिजन सीएचसी नाथनगर से जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने नायब सूबेदार शिव कुमार के मौत होने की पुष्टि कर दी। महुली क्षेत्र के ग्राम बसहिया में भतीजी की शादी में शामिल होने आए नायब सूबेदार की तबियत अचानक बिगड़ गई। परिजन उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर से जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली खलीलाबाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा रही है।

बसहिया गांव निवासी शिव कुमार यादव (40) पुत्र मुद्रिका यादव वर्ष 1998 में उत्तराखंड के रानीखेत में सेना जवान के तैनात हुए। वर्तमान समय में वह देहरादून में कुमाऊं रेजिमेंट में नायब सूबेदार के पद पर सेवा दे रहे थे। लखनऊ में उनकी ट्रेनिंग चल रही थी। 3 फरवरी को अवकाश लेकर भतीजी सुजीता की शादी में शामिल होने के लिए घर आए थे।परिजनों के अनुसार मंगलवार रात करीब आठ बजे वह घर के लोगों के साथ खाना खा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबियत बिगड़ने लगी। परिजन सीएचसी नाथनगर से जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने नायब सूबेदार शिव कुमार के मौत होने की पुष्टि कर दी।

मनबढ़ई–समझावत बानीं प्रेम से समझ जाइए नहीं तो

गोरखपुर। क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज गौरव त्रिपाठी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच करने पर पता चला है कि तिवारीपुर थाना क्षेत्र के परमानंद यादव के यहां वीडियो बनाया गया है। इसमें एक बंदूक और एक पिस्टल है। दोनों असलहों का लाइसेंस को मांगा गया है। इसमें एक एयर गन भी है। समझावत बानीं प्रेम से समझ जाइए नहीं तो... इस तरह के भोजपुरी गाने पर एक रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। रील में अवैध तमंचा लेकर दिख रहा युवक पीपीगंज क्षेत्र का बताया जा रहा है। 21 सेकेंड के वीडियो में युवक के एक हाथ में बंदूक और दूसरे हाथ में तमंचा लहरा रहा है। मामले की जांच शुरू हो गई है। वायरल वीडियो की पुष्टि अमर उजाला नहीं करता है। क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज गौरव त्रिपाठी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच करने पर पता चला है कि तिवारीपुर थाना क्षेत्र के परमानंद यादव के यहां वीडियो बनाया गया है। इसमें एक बंदूक और एक पिस्टल है। दोनों असलहों का लाइसेंस को मांगा गया है। इसमें एक एयर गन भी है।

अजय राय ने सरकार को घेरा

बोले– महाकुंभ में मरने वालों की सूची जारी हो, घायलों के बारे में भी बताए सरकार

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मरने वालों की सूची जारी हो। सरकार घायलों के बारे में भी बताए। यूपी की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रेस वार्ता की। इसमें उन्होंने कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मृत्यु सरकार ने मानी है। उसी दिन पुलिस निरीक्षक अंजनी कुमार रॉय की मौत हुई है। इस मौत को पुलिस नकार रही है। कुंभ मेला पुलिस ने पांच फरवरी को ट्वीट किया था। इसमें मौत की वजह भगदड़ नहीं बल्कि दूसरी वजह बताई है। सवाल यह है कि अपने ही उप निरीक्षक की मौत को सरकार क्यों नकार रही है। पुलिस की डायरी में 29 को सुबह 12.30 बजे दर्ज किया है कि उनकी ड्यूटी महाकुंभ में थी और मौत की बात लिखी गई है। जब सरकार अपने ही उप निरीक्षक की मौत को दबा रही है तो आम आदमी का अंदाजा लगाया जा सकता है। इससे स्पष्ट है कि महाकुंभ में बड़ी संख्या में मौत हुई है। सरकार सूची जारी करे।

घायलों की कोई सूची जारी नहीं की गई

उन्होंने कहा कि उप निरीक्षक की मौत पर कोई अधिकारी मौके पर नहीं गया। जब पांच को मै वहां पहुंचा तो छह को एस पी मौके पर पहुंचे।। यह सरकार की संवेदनहीनता है। जब सरकार अपनी पुलिस को लेकर गंभीर नहीं है तो अन्य का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 2019 में कुंभ का बजट 1300 करोड़ था जो अब 7500 करोड़ कर दिया गया।

खास बात यह है कि भगदड़ के बाद एक भी टोल फ्री नंबर जारी नहीं किया गया। कुंभ में लापता, घायलों की कोई सूची जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से लाए गए लोगों के साथ अमानवीयता की गई है।

लोगो को खाने के लिए बेड़ियां नहीं खोली गई। भारत के लोग पूरी दुनिया में हैं लेकिन आज सब अपमान महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोलंबिया की सरकार ने अपने नागरिकों को सम्मान बुलाया लेकिन भारत के पीएम यह नहीं कर पाए।

एक हफ्ते के अंदर उत्तराखंड में मिली दूसरी रहस्यमयी गुफा

पुरातत्व विभाग की टीम ने किया निरीक्षण
सैन्य मोर्चा स्थल प्रतीत होती है सुरंग
अल्मोड़ा, नैनीताल में भी हैं इस तरह की सुरंग

उत्तराखंड में एक हफ्ते के अंदर दूसरी रहस्यमयी गुफा मिली है। पिथौरागढ़ के गोबराड़ी गांव में स्थित यह गुफा समुद्र मंथन के मेरु पर्वत जैसी दिखती है। कत्यूरी शासनकाल में इसका इस्तेमाल सैन्य मोर्चे के रूप में किया जाता था। गुफा के अंदर जमा मलबा हटाने के बाद यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है। पुरातत्व विभाग की टीम ने गुफा का निरीक्षण किया है।

पथौरागढ़/थल । तहसील डीडीहाट के गोबराड़ी गांव में प्रकाश में आयी सुरंग पूर्व मध्य कत्यूरी काल की है। कत्यूरी शासनकाल में यह एक सैन्य मोर्चा प्रतीत होती है। इस तरह की सुरंग नैनीताल, अल्मोड़ा आदि स्थानों पर भी हैं। गोबराड़ी की यह सुरंग समुद्र मंथन के समय प्रयोग में लाए गए मेरु पर्वत की तरह दृश्यमान है। सुरंग के अंदर जमा मलबा हटा दिया जाए तो यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन सकता है। विगत पांच फरवरी को ही जागरण ने गुफा मिलने की खबर लगाई थी। जिसका लिंक नीचे यह है।

निरीक्षण के लिए पहुंची चार सदस्यीय टीम

गुरुवार को क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा. चंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम निरीक्षण के लिए पहुंची। निरीक्षण के बाद डा. चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कत्यूरी शासनकाल के दौरान इस स्थल का प्रयोग सैन्य मोर्चा के रुप में किया जाता होगा। चारों तरफ बहने वाली नदी के मध्य ऊंचाई पर स्थित इस स्थल से चारों तरफ नजर जाती है।

सिंगल लाइन फार्मेशन वाली सुरंग भी मौजूद

सुरंग के निरीक्षण के दौरान जो देखा गया उसमें यही पाया गया कि यह सिंगल लाइन फार्मेशन वाली सुरंग है। जबकि नैनीताल के कल्याण पुर की सुरंग में डबल लाइन फार्मेशन है। सिंगल लाइन फार्मेशन का तात्पर्य सैनिक एक लाइन में एक ही तरफ चलते होंगे। यह सुरंग अन्य सुरंगों से कुछ अलग हट कर है। उन्होंने बताया कि इसके चारों तरफ का जो भूगोल व स्थिति है उसे स्पष्ट होता है कि यह सैन्य दृष्टि से मोर्चाबंदी के लिए उपयुक्त है।

सुरंग के अंदर जमा है मलबा

सुरंग में एक व्यक्ति सामान के साथ चल सकता है। हालांकि सामान उठाने के लिए दूसरे की मदद की आवश्यकता होगी। चौहान के अनुसार अंदर मलबा जमा है। मलबा हटाया जाए तो इसके अंदर मुहाने हो सकते हैं जिनसे प्रकाश भी मिलता होगा। यह पर्यटन की दृष्टि से बेहद उपयुक्त है।

लखनऊ में पति–पत्नी ने मिलकर की थी बच्ची की हत्या

संवाददाता, लखनऊ। दुबग्गा में बच्ची की हत्या सोनू पंडित ने पत्नी जुगनू के साथ मिलकर की थी। इस बात का राजफाश बुधवार को गिरफ्त में आई आरोपित जुगनू ने किया। उसने बताया कि सोनू तंत्र–मंत्र करते थे। 23 जनवरी को सब्जी लेने के बहाने बच्ची को घर में बुलाया, फिर चाय पिलाकर बेसुध कर पूजा की। बलि देने के दौरान सिर में चोट लगने से बच्ची की मौत हो गई थी। इसके बाद साइकिल की टोकरी में बच्ची को लिटाकर शव को ठिकाने लगा दिया था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि बच्ची का शव बरामद होने के बाद सोनू ने फंदे से लटकर जान दे दी थी।

पत्नी जुगनू को पुलिस ने भेजा जेल

वहीं पत्नी जुगनू को जेल भेज दिया गया। डीसीपी ने बताया कि जुगनू ने पूछताछ में बताया कि बच्ची के बेसुध होने पर उसे जमीन पर लिटाया और सोनू ने तीन गेंदा के फूल और नौ लौंग उस पर चढ़ाकर पूजा की। उसके बाद बच्ची का गला दबाया। उसके चीखने पर हमने मुंह दबाया। उसके सिर पटका तो वह फर्श पर टकरा गया जिससे उसका सिर फट गया।

हाथ–पांव बांधकर पालीथीन में भर दिया था शव

इसके बाद बच्ची के सिर से बहते हुए खून को लाल टी शर्ट से पोछने के बाद उसको पहना दिया। वहीं उसके हाथ–पांव बांध कर पॉलीथीन में भर दिया। इसी बीच पुलिस और परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। जिसके चलते सुबह सात बजे सोनू ने कॉस्मेटिक सामान रखने के लिए साइकिल पर एक कांच का बॉक्स बनवा रखा था। उसी में बच्ची को लिटाकर शव भरकर सैरपुर स्थित नाले में फेंकने गया था। यही नहीं कांच में शव न दिखे, इसके लिए आसपास कॉस्मेटिक का सामान लगा दिया था और ऊपर लाल कपड़ा डाल दिया था। जांच के दौरान सीसी फुटेज में वह कैद हो गया था।

प्रतिदिन लाखों लोगों के लिए मेला क्षेत्र के भंडारों में पक रहा है भोजन

श्रद्धालुओं को तृप्त कर रहा मेगा किचन का महाप्रसाद

श्रद्धालुओं की सेवा के लिए मेगा किचन की स्थापना की गई है। इन किचन में रोजाना लाखों श्रद्धालुओं को भोजन परोसा जा रहा है। भोजन का मेन्यू भी हर दिन बदला जाता है ताकि श्रद्धालुओं को अलग–अलग स्वाद का आनंद मिल सके। इन मेगा किचन में भोजन बनाने से लेकर परोसने तक की सेवा निस्वार्थ भाव से की जाती है।"

महाकुंभनगर। महाकुंभ में श्रद्धा, सेवा और समर्पण के कई रूप दिखते हैं। लोग अपने–अपने तरीके से श्रद्धालुओं की सेवा और उनके सहयोग को तत्पर हैं। दर्जनों संस्थाओं द्वारा मेले में मेगा किचन की स्थापना भी इसी उद्देश्य से की गई है। महाकुंभ के श्रीगणेश के पहले से ही इन मेगा किचन का चूल्हा जल रहा है और रोज लाखों श्रद्धालुओं की जठराग्नि शांत कर रहा है। भोजन का पुण्य कमाने को स्थानीय संस्थाओं, मठ–अखाड़ों के साथ ही अडानी जैसे संस्थान भी रोजाना किचन में रोटी सेंक रहे हैं, कढ़ी–चावल पका रहे हैं। इनमें मुख्य रूप से शिव सेवा समिति की ओर से ऊं नमरू शिवाय, सीता की रसोई, इस्कान, अक्षयपात्र जैसे दर्जनों संस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए महाकुंभ के प्रसाद के रूप में भोजन की व्यवस्था में जुटी हुई हैं।

प्रबंधन पर हुआ शोध रखेगा सुधारों की नींव

वैश्विक शोध और प्रबंधन अध्ययन का आयोजन किया गया। हार्वर्ड स्टैनफोर्ड क्योटो विश्वविद्यालय जैसे वैश्विक संस्थानों के साथ आइआइटी आइआइएम एम्स जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने महाकुंभ के प्रबंधन अस्थायी नगरी की संरचना पर्यावरणीय प्रभाव स्वास्थ्य सेवाएं यातायात और सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तनों पर अध्ययन किया। इस शोध से प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में बड़े आयोजनों की रणनीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेंगे।

महाकुंभ नगर। वैश्विक शोध और प्रबंधन अध्ययन की प्रयोगशाला बना महाकुंभ अब अपने अंतिम चरण में है। हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, क्योटो विश्वविद्यालय जैसे वैश्विक संस्थानों के साथ आइआइटी, आइआइएम, एम्स जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने महाआयोजन के प्रबंधन, अस्थायी नगरी की संरचना, पर्यावरणीय प्रभाव, स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात और सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तनों पर अध्ययन किया।

विशेषतौर पर प्रमुख स्नान पर्वों पर यातायात प्रबंधन, स्नान प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुरक्षा शोध का विषय हैं। महाकुंभ में डटे सैकड़ों शोधकर्ताओं ने अध्ययन का अधिकांश भाग पूरा कर लिया है और इसको अंतिम रूप दे रहे हैं। स्पष्ट है कि महाकुंभ के प्रबंधन पर किया गया वैश्विक शोध सुधारों की नींव बनेगा और भविष्य में बड़े आयोजनों की रणनीतियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में बसाई गई अस्थायी नगरी को एक आधुनिक शहरी नियोजन के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। आइआइटी मद्रास, बीएचयू और एमएनएनआइटी यातायात प्रबंधन, अस्थायी पुलों, पार्किंग सुविधाओं और भीड़ नियंत्रण पर संयुक्त शोध कर रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार यह अध्ययन महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में भी उपयोगी साबित हो सकते हैं।

10वीं में दो बार हुआ फेल, फिर भी ना उतरा इश्क का भूत...

अब उठाया ऐसा कदम, पुलिस भी चकरा गई

दोनों की उम्र 17 वर्ष है। सूचना मिलने पर मथुरा में रेलवे सुरक्षा बल ने लड़का और लड़की को पकड़ लिया। दोनों के परिजनों को सूचना दी। लड़की को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

लड़की को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

मथुरा। स्कूल से शुरू हुई दोस्ती जल्द ही प्यार में बदल गई। दोनों भागने के लिए राजी हो गए। ट्रेन में बैठकर चल दिए। रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर शिकायत दर्ज हुई, जिसमें बताया कि महाराष्ट्र के नासिक की रहने वाली किशोरी घर से भाग गई है। रेलवे पुलिस ने सभी स्टेशन पर जानकारी दी, जिसके बाद मथुरा रेलवे जंक्शन पर आरपीएफ पुलिस ने लड़का–लड़की को पकड़ लिया। आरपीएफ प्रभारी अवधेश गोस्वामी ने बताया कि चार फरवरी को जंक्शन से लड़का–लड़की को पकड़ा है। पूछताछ करने पर बताया कि वह महाराष्ट्र के नासिक से आए हैं। वह एक साथ स्कूल में पढ़ते हैं, लेकिन घर वाले राजी ना होने के चलते वह ट्रेन में बैठकर भाग आए।

पकड़े गए लड़का और लड़की ने बताया कि इन दोनों की दोस्ती कक्षा छह से शुरू हुई थी। अब लड़की 11वीं में पढ़ रही है, जबकि लड़का 10वीं में दो बार फेल हो चुका है। वह नौवीं में पढ़ रहा है। दोनों ही लड़का–लड़की की उम्र 17 साल है। आरपीएफ ने गुरुवार को लड़की को उनके परिजनों के सुपुर्द किया। जबकि लड़का फिरोजाबाद के नाबालिग संरक्षण घर में है। लड़के के घर से अभी कोई मथुरा नहीं पहुंचा है।

पत्नी को मेरा चेहरा न दिखाना..

मां के लिए नोट में लिखे ये शब्द, युवक ने मरने से पहले वीडियो भी बनाया

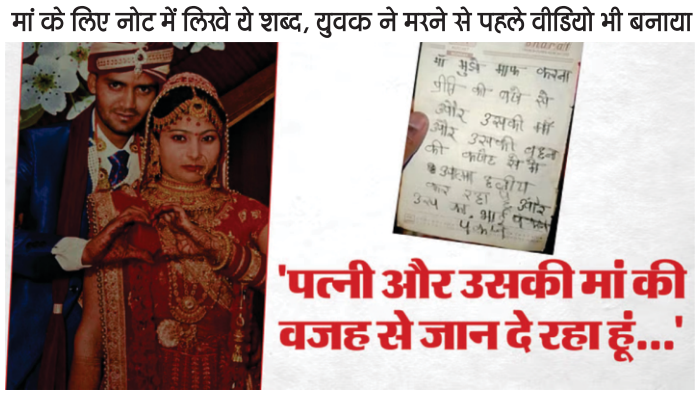

बिजनौर। बिजनौर के गांव मुंढाल के रहने वाले एक युवक ने रविवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने एक वीडियो बनाई और सुसाइड नोट भी लिखा था। पुलिस रोहित के मोबाइल का लॉक खुलवाने के प्रयास में लगी है। बिजनौर के गांव मुंढाल के रहने वाले एक युवक रोहित ने पत्नी और ससुरालियों के उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। जान देने से पहले युवक ने सुसाइड नोट लिखा फिर वीडियो बनाया। पुलिस ने पत्नी और ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। अब पुलिस रोहित के मोबाइल का लॉक खुलवाने के प्रयास में लगी है, ताकि सुसाइड के लिए मजबूर करने के मजबूत सबूत मिल सकें। उधर, पुलिस ने उसकी पत्नी प्रीति और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। हीमपुर दीपा इलाके के गांव मुंढाल में रोहित के घर मातम पसरा रहा।

कर्मचारियों के लिए बढ़ाई गई संपत्ति का विवरण देने की तारीख

गोपनीय प्रवष्टियां दाखिल करने की भी तिथि बढ़ी

लखनऊ। यूपी के राज्य कर्मचारियों को 31 जनवरी तक अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर देना था। अब उसकी तारीख बढ़ा दी गई है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने राज्य कर्मचारियों को संपत्ति का विवरण देने की समयावधि बढ़ा दी है। अब 15 फरवरी तक संपत्ति का ब्योरा दिया जा सकेगा। इसके बाद भी विवरण न देने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का विवरण देने के निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन इस तारीख तक 831844 अधिकारियों व कर्मचारियों में से 593873 ने ही संपत्ति का विवरण दिया। इसलिए अब इसे 15 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है।

आनलाइन गोपनीय प्रविष्टियां दाखिल करने की तारीख 28 फरवरी तक बढ़ी

समूह क और ख के अधिकारियों के लिए मानव संपदा पोर्टल पर सालाना आनलाइन गोपनीय प्रविष्टियां दाखिल करने की समयावधि को बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि साफ निर्देशों के बाद भी कई विभागों के अधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टियां अपलोड नहीं की गई हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। कर्मचारियों का हित प्रभावित न हो, इसलिए निर्धारित समयावधि को बढ़ाकर 28 फरवरी तक किया गया है।

पुलिस कस्टडी में व्यापारी की मौत

थर्ड डिग्री की यातना– मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, ताकि चीख न सके...बेरहम पुलिस ने पीट–पीटकर ली पति की जान

आगरा। पुलिस घर पर आई, पति को अपने साथ ले गई। मना किया लेकिन कोई नहीं माना। पुलिस चौकी में पति के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। उनको पीट–पीटकर मार डाला। मेरा सब कुछ लुट गया। अब बच्चों का पालन पोषण कौन करेगा? पुलिसकर्मियों पर हत्या का केस लिखा जाए। पुलिस हिरासत में मरने वाले केदार सिंह की पत्नी चंद्रकांता ने रोते हुए यही पीड़ा व्यक्त की। चंद्रकांता लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर पहुंची थीं। परिजन उन्हें किसी तरह संभाल रहे थे। केदार सिंह घर के पास ही आटा चक्की चलाते थे। उनके दो बेटे देवेंद्र और गजेंद्र के अलावा 6 बेटियां हैं। परिजन ने बताया कि दोपहर में पुलिसकर्मी केदार सिंह को पकड़कर ले गए। नहीं बताया क्यों ले जा रहे हैं। पहले जीप में बैठाया फिर बाइक पर बैठाकर एक पुलिसकर्मी लेकर गया। केदार सिंह के पौत्र आकाश ने बताया कि वह बैंक से रुपये निकालकर लौट रहा था। तभी बाबा को चौकी के बाहर पड़ा देखा। उन्हें पुलिसकर्मी ऑटो में ले जा रहे थे। बाद में उनकी मौत का पता चला। पता चलने पर ग्रामीण सबसे पहले कबीस पुलिस चौकी पहुंचे। पुलिसकर्मी ताला बंदकर भाग चुके थे। नारेबाजी करते हुए लोगों ने नूरपुर रोड पर जाम लगा दिया। कुछ ही देर में लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर हंगामा शुरू कर दिया गया। ईंट–पत्थर रख दिए। पत्नी चंद्रकांता भी पहुंच गईं। अन्य महिलाएं उन्हें संभाल रही थीं।

राम मंदिर की नींव में पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल का निधन

रामनगरी में शोक की लहर

अयोध्या। राम मंदिर की नींव में पहली ईंट रखने वाले कारसेवक कामेश्वर चौपाल का निधन हो गया। वह किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। उनके निधन से रामनगरी में शोक की लहर दौड़ गई। यूपी के अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए पहली ईंट (रामशिला) रखने वाले प्रथम कारसेवक और ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल (68) नहीं रहे। वे लंबे समय से किडनी व्याधि से पीड़ित थे। बिहार में कमरैल (सुपौल) के रहने वाले चौपाल को नौ नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की नींव की पहली ईंट रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वे विश्व हिन्दू परिषद से जुड़े थे और विधान परिषद सदस्य रहे थे। उपचार के लिए भर्ती रहने के समय दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में बृहस्पतिवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी, महंत दिनेंद्र दास, विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र व गोपाल राव ने शोक व्यक्त किया है।

महाकुंभ आकर हो रहा सनातनी होने का गौरव

भारतीय अभिनेत्री और मश्वडल ईशा गुप्ता ने संगम में लगाई डुबकी

यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है: ईशा बोलीं– सनातनी के रूप में महाकुंभ आई हूं, भव्य महाकुंभ को लेकर की सीएम की प्रशंसा

महाकुंभ नगर। भारतीय अभिनेत्री और मॉडल ईशा गुप्ता भी गुरुवार को संगम में आस्था की डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं को लेकर योगी सरकार की तारीफ की और कहा कि यहां आकर उन्हें सनातनी होने पर गौरव की अनुभूति हो रही है।

महाकुंभ 2025 में अपनी उपस्थिति को लेकर ईशा गुप्ता ने कहा, 'मैं यहां एक बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक सनातनी के रूप में आई हूं। बॉलीवुड एक्टर्स का काम एक्टिंग करना है, लेकिन भारतीय होने के नाते यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है'। ईशा गुप्ता ने कहा की महाकुंभ में व्यवस्था बहुत अच्छी रही है। 144 साल में यह अवसर आया है। मोदी और योगी जी ने इस आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने के लिए काफी मेहनत की है।

मुझे नहीं लगता कि इतना बड़ा आयोजन इतनी सारी व्यवस्थाओं के साथ पूरे विश्व में कहीं भी हो पाएगा। पूरी दुनिया में लोग जानते हैं कि भारत जैसी आस्था किसी और देश में नहीं। महाकुंभ के माध्यम से आज पूरी दुनिया इसका अनुभव कर रही है।

आरबीआई बैंकों को जिस रेट पर उधार देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं।

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करके जनता को बड़ी राहत है। उनकी अगुआई में हुई **RBI** की **MPC** में करीब पांच साल बाद कटौती करने का फैसला किया गया है। उसने नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की है। अब नीतिगत ब्याज दर 6.5 से घटकर 6.25 हो जाएगी। आरबीआई के ब्याज दरों में कटौती करने के बाद होम लोन, कार लोन और बाकी कई अन्य लोन भी सस्ते हो जाएंगे। अगर अपने फ्लोटिंग रेट पर होम या कार लोन लिया है, तो उसकी म्ड भी कम हो जाएगी। केंद्रीय बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय टैक्स फ्री होने के बाद यह फरवरी 2025 में आम जनता के लिए दूसरी बड़ी राहत है।

> *आरबीआई के ब्याज दरों में कटौती करने के बाद होम लोन कार लोन और बाकी कई अन्य लोन भी सस्ते हो जाएंगे। अगर अपने फ्लोटिंग रेट पर होम या कार लोन लिया है तो उसकी म्ड भी कम हो जाएगी। केंद्रीय बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय टैक्स फ्री होने के बाद यह फरवरी 2025 में आम जनता के लिए दूसरी बड़ी राहत है।*

RBI के फैसले से कैसे सस्ता होगा लोन ?

सभी बैंक लोन देने के लिए आरबीआई से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई उन्हें जिस रेट पर उधार देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। अब मान लीजिए कि रेपो रेट 6 फीसदी है, अब जब बैंकों को ही 6 फीसदी आरबीआई से कर्ज मिलेगा, तो वह इससे सस्ती दर पर लोन नहीं दे सकेंगे। उन्हें बल्कि लोन इससे महंगा देना पड़ेगा, क्योंकि उन्हें अपनी कमाई लागत भी देखनी होगी।

इसलिए जब भी आरबीआई रेपो रेट में कमी या बढ़ोतरी करता है, तो बैंक भी उसी हिसाब से कर्ज सस्ता या महंगा करते हैं। जैसे कि इस बार आरबीआई ने रेपो रेट कम किया है। इससे बैंकों को केंद्रीय बैंक से सस्ता कर्ज मिलेगा और वे इसका फायदा ब्याज दर घटाकर आम जनता को भी देंगे।

इससे आपके लिए कार लोन, होम लोन या फिर पर्सनल लोन लेना सस्ता हो जाएगी। और आपकी **EMI** (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) में भी कमी आएगी।

आखिरी बार कब घटी थी ब्याज

आरबीआई ने इससे पहले आखिरी बार मई 2020 में कोरोना महामारी के समय रेपो रेट में 0.40 फीसदी कटौती की थी। उस वक्त यह चार फीसदी पर आ गई थी। हालांकि, रूस–यूक्रेन युद्ध से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी और आरबीआई ने जोखिमों से निपटने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू किया। यह फरवरी 2023 में जाकर रुका था। उसके बाद ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर बांधकर अवैध प्रवासी भारतीयों को वतन क्यों भेजा

अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन को लेकर विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है।

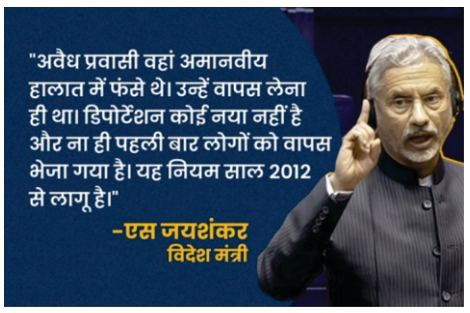

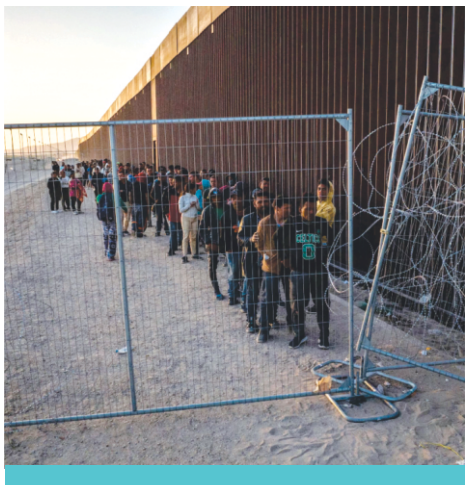

नई दिल्ली। अमेरिका से भारत भेजे गए 104 प्रवासियों को मामले को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। गुरुवार (6 फरवरी) को संसद के दोनों सदनों में इस मामले पर विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्षी सांसद ने सरकार से पूछा कि आखिर अवैध प्रवासियों के साथ कैदियों जैसा व्यवहार क्यों किया गया। उनके हाथों में हथकड़ियां क्यों लगाई गई। बता दें कि एक अमेरिकी अधिकारी ने वीडियो शेयर किया, जिसमें देखा जा सकता है कि अवैध प्रवासियों के हाथ–पैरों को चेन से बांधा गया है।

गर्लफ्रेंड से तोड़ा संपर्क, चारों धाम की यात्रा की फिर ताऊ के पूरे परिवार को किया खत्म

वाराणसी। वाराणसी जिले में पांच हत्या के आरोप में पकड़े गए आरोपी विशाल गुप्ता ने वारदात को लेकर पूरा सच उगल दिया। बताया कि उसने अपने माता– पिता की हत्या का बदला लेने के लिए ताऊ के पूरे परिवार को खत्म किया था। वाराणसी जिले के भदैनी में पांच लोगों की हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले विशाल गुप्ता उर्फ विक्की ने पुलिस के सामने कई सच उगले।

जिसमें मां– बाप की हत्या के बदले ताऊ के पूरे परिवार को खत्म करने की पूरी साजिश का जिक्र किया। विशाल ने परत दर परत हत्या से जुड़ी जानकारी पुलिस को दी। आइए जानते हैं कि विक्की ने वारदात को लेकर क्या कहा...

विक्की के सामने माता–पिता की गोली मारकर की गई थी हत्या

34 वर्षीय विक्की ने बताया कि 1997 में उसके ताऊ राजेंद्र ने संपत्ति की लालच में उसके सामने उसके पिता कृष्णा लाल गुप्ता और मां बबिता की गोली मारकर हत्या की थी। ताऊ के असलहे से निकली गोली उसके छोटे भाई जुगनू को भी लगी थी।

छह महीने पहले गर्लफ्रेंड खत्म कर दिया था संपर्क

बताया कि ताऊ और उनके पूरे परिवार को खत्म करने से पहले वह चारों धाम की यात्रा पर गया था। जुगनू के अलावा वह अहमदाबाद की अपनी गर्लफ्रेंड से संपर्क में रहता था। मगर, वारदात से छह महीने पहले उसने गर्लफ्रेंड से भी संपर्क खत्म कर दिया था।

आनलाइन समझता था मुकदमे का क्या होगा ?

विक्की को स्पा सेंटर जाना अच्छा लगता है, लेकिन उसने वहां भी जाना बंद कर दिया था। वारदात के बाद वह ऑनलाइन तरीके से समझता था कि उसके मुकदमे का क्या होगा? उसे कितने दिन में जमानत मिल जाएगी? कितनी सजा होगी? गवाह कौन–कौन हो सकता है?

जुगनू और दादी भी अधिवक्ताओं से समझ रहे थे प्रक्रिया

इधर, घर पर दादी शारदा देवी के साथ रह रहा जुगनू भी अधिवक्ताओं से यही सब समझ रहा था। इसी बीच गुरुवार को विक्की और जुगनू पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

सुप्रीम कोर्ट ने इस पद पर निकाली है भर्ती

सुप्रीम कोर्ट लाक्लर्क रिसर्च एसोसिएट्स भर्ती के लिए पहले चरण की परीक्षा 9 मार्च 2025 को आयोजित की जाएगी। यह एग्जाम सीबीटी मोड में कंडक्ट कराया जाएगा। परीक्षा के लिए अनंतिम उत्तर कुंजी 10 मार्च 2025 को जारी की जाएगी। अगर किसी अभ्यर्थी को उत्तकुंजी पर आपत्ति होगी तो वे 11 मार्च 2025 तक आब्जेक्शन उठा सकेंगे। चुनौती दर्ज कराने के लिए उन्हें निर्धारित शुल्क देना होगा।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जॉब का शानदार मौका दे रहा है। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने लॉ क्लर्क रिसर्च एसोसिएट्स के पदों पर भर्ती निकाली है। इस वैकेंसी के लिए एप्लीकेशन प्रोसेस जारी है। भर्ती के लिए आवेदन करने के इच्छुक कैंडिडेट्स आधिकारिक वेबसाइट ेबप. हवअ.पद पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। अभ्यर्थी यह ध्यान रखें कि इस भर्ती के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख आज, 07 फरवरी, 2025 है।

इसलिए, अप्लाई करने में देरी न करें। अंतिम तिथि बीतने के बाद कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया की ओर से जारी सूचना के अनुसार, अभ्यर्थियों को लॉ ग्रेजुएट होना चाहिए। शैक्षणिक योग्यता से जुड़ी ज्यादा जानकारी प्राप्त करने के लिए कैंडिडेट्स ऑफिशियल नोटिफिकेशन देख सकते हैं।इस पद पर अप्लाई करने के लिए आवेदकों को 500 रुपये का शुल्क का भुगतान करना होगा। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से कुल 90 पदों पर भर्ती होनी है।

लॉ क्लर्क रिसर्च एसोसिएट्स के पदों पर उम्मीदवारों का चयन विभिन्न चरणों में आयोजित होने वाली परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। इसके तहत, पहले फेज में बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित एग्जाम होगा। इसके बाद, सेकेंड फेज में सब्जेक्टिव परीक्षा होगी। दोनों फेज में सफल होने वाले कैंडिडेट्स को रिक्रूटमेंट के अगले चरण यानी कि इंटरव्यू में शामिल होना होगा।

नोरा फतेही/ 33

10 लड़कियों संग फ्लैट शेयर किया बालीवुड की डांसिंग क्वीन हैं

नोरा फतेही

जन्म : 6 फरवरी 1992, कनाडा

मां-पिता : मोरक्को के रहने वाले

छोटा भाई : ओमर फतेही

पढ़ाई : टोरंटो के वेस्टव्यू सेंटेनियल सेकेंडरी स्कूल से ग्रेजुएशन

नोरा मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं

नोरा फतेही

उस समय मुझे नहीं पता था कि 1000 डॉलर कितने होते हैं। मैं केवल 5000 रुपए लेकर आई थी। तंगी के दिनों में मैं 10 लड़कियों के साथ 3 बीएचके अपार्टमेंट शेयर करती थी।

पैसों की इतनी कमी थी कि मैं सुबह वेट्रेस का और शाम को टेलीकॉलर का काम करती थी।

उस समय मेरे पास ठीक से खाना खाने के पैसे तक नहीं थे। मैं रोज एक अंडा और ब्रेड खाती थी। वहां रहने के दौरान, मैं सोचती थी कि मैंने खुद को किस मुसीबत में डाल लिया है?

मुम्बई। ये लाइनें नोरा फतेही की जिंदगी पर बिल्कुल सटीक बैठती हैं। एक वो दौर था कि नोरा कनाडा से महज पांच हजार रुपए लेकर मुंबई आई थीं और एक ये दौर है जब वो हर साल 2 करोड़ रुपए कमाती हैं। आज नोरा अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। उनके बर्थडे के मौके पर जानेंगे उनकी लाइफ से जुड़े कुछ अनसुने किस्से–बचपन में बच्चे डांस का मजाक बनाते थे नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 11 साल की थीं तो उन्हें स्कूल में ये कहकर चिढ़ाया जाता था कि वे बहुत पतली हैं और उनको डांस करना भी नहीं आता है। उन्होंने तभी सोच लिया था कि एक दिन सबको गलत साबित करना है।

एक्ट्रेस ने बताया कि वे स्कूल टाइम में ऐसी लड़कियों के ग्रुप में रहने की कोशिश करती थीं, जो बेहतर डांस करती थीं। नोरा ने कहा– मैं हमेशा उनको कॉपी करती थी, उनके डांस स्टेप्स ट्राय करती थी ताकि वो मुझे भी अपने ग्रुप में शामिल कर लें, लेकिन उन्होंने मुझे कभी एक्सेप्ट नहीं किया। मैंने सोचा कि मैं इनके लेवल का डांस ही नहीं कर पाती हूं।

डांस करने पर मां ने पिटाई की नोरा के लिए ये सफर आसान नहीं था। उनकी जिंदगी में कई मुश्किलें आईं। उनका जन्म रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में हुआ था। मां–बाप को उनके डांस करने पर आपत्ति थी, लेकिन नोरा ने मानो ठान लिया था कि वे डांसर बन कर रहेंगी।

नोरा के अंदर बचपन से ही डांस का जुनून था। नोरा घर में पेरेंट्स से छिपकर बंद कमरे में डांस किया करती थीं। एक दिन नोरा की मां ने उन्हें डांस करते हुए देख लिया। नोरा का डांस करना उन्हें इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने नोरा की खूब पिटाई की। पेरेंट्स के विरोध के बावजूद नोरा ने डांस करना नहीं छोड़ा। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत आने का फैसला कर लिया। 5 हजार रुपए लेकर भारत आई थीं आज से करीब 10 साल पहले नोरा कनाडा से महज 5 हजार रुपए लेकर भारत आई थीं। मैशेबल इंडिया से बातचीत के दौरान नोरा ने शुरुआती स्ट्रगल के बारे में बताया था।

बॉलीवुड फिल्म जिसमें नोरा की स्पेशल अपीयरेंस

- 2015- बाहुबली सॉन्ग- मनोहरी
- 2016- रॉकी हैंडसम सॉन्ग- रॉक द पार्टी
- 2018- सत्यमेव जयते सॉन्ग- दिलबर स्त्री- सॉन्ग- कमरिया
- 2019- बाटला हाउस सॉन्ग- ओ साकी-साकी मरजावां- सॉन्ग- एक तो कम जिंदगानी
- 2020- स्ट्रीट डांसर 3डी बतौर एक्ट्रेस
- 2021- भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया सत्यमेव जयते 2- सॉन्ग- कुसु कुसु
- 2022 भगवान का शुक्र है सॉन्ग- मानिके
- 2024- क्रैक बतौर एक्ट्रेस मडगांव एक्सप्रेस बतौर एक्ट्रेस

टेलीविजन शो

- 2015- बिग बॉस 9 बतौर कंटेस्टेंट
- 2016- झलक दिखला जा 9 कंटेस्टेंट
- 2018- एमटीवी डेटिंग इन द डार्क बतौर होस्ट
- 2022- डांस दीवाने जूनियर 1 बतौर जज झलक दिखला जा 10 बतौर जज
- 2023 हिप हॉप इंडिया 1 बतौर जज

6 मार्च 2021 को, फतेही पहली अफ्रीकी-अरब महिला कलाकार बनीं, जिनके गाने दिलबर ने यूट्यूब पर एक बिलियन व्यूज क्रॉस किए।

जल्द तलाक ले सकते हैं जस्टिन बीबर और उनकी पत्नी हेली बीबर

सिंगर से 2600 करोड़ की संपत्ति की मांग कर सकती हैं हेली

संजीदा शेख ने आमिर का दिल तोड़ लिया तलाक

दिल्ली। आमिर अली और संजीदा शेख टीवी के सबसे लोकप्रिय कपल्स में शुमार थे. दोनों के तलाक से टीवी इंडस्ट्री के फैंस का दिल टूट गया था. 8 साल तक शादीशुदा जिंदगी गुजारने के बाद कपल ने साल 2020 में अपनी राहें अलग कर ली थीं और साल 2021 में दोनों का तलाक हो गया। आमिर अली और संजीदा शेख की मुलाकात साल 2007 में टेलीकास्ट होने वाले सीरियल 'क्या दिल में है' के सेट पर हुई थी. कई साल तक डेट करने के बाद कपल ने साल 2012 में निकाह कर लिया था, लेकिन उनका रिश्ता 8 साल तक ही चल पाया और 2021 में दोनों अपने अलग–अलग रास्तों पर निकल पड़े।

अब तलाक के लगभग 4 साल बाद आमिर अली की जिंदगी में प्यार ने दोबारा दस्तक दी है. हाल ही में एक्टर को मिस्ट्री गर्ल के साथ स्पॉट किया गया. ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आमिर एक्ट्रेस अंकिता कुकरेती को डेट कर रहे हैं. हाल ही में उन्होंने मीडिया पोर्ट्ल के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए अंकिता कुकरेती को डेट करने की बात करने को कन्फर्म किया. आमिर अली कहते हैं, 'किसी के साथ जान–पहचान बढ़ाना अच्छी बात है. बहुत समय बाद मुझे किसी को जानने–पहचानने का मौका मिला है. हर कोई अपनी जिंदगी में प्यार का हकदार होता है. हालांकि, किसी को कुछ होने से पहले ही अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना था और कोई अब बढ़ रहा है'.

एक्टर आमिर अली कहते हैं कि फिलहाल वो अपनी जिंदगी में बहुत खुश हैं. वो कहते हैं, 'मेरी जिंदगी में सब ठीक है. मैं बहुत खुश हूं. मैं हमेशा उससे कहता हूं कि मैं उसका आभारी हूं कि मुझे एहसास है कि मेरे सीने में आज भी दिल है'।

वो कहते हैं कि उनका रिश्ता अभी शुरू ही हुआ है. बस 5 महीने हुए हैं और दोनों का रिलेशनशिप स्टार्टिंग फेज में है. आमिर अली कहते हैं कि जिंदगी में इतने उतार–चढ़ाव आने के बाद भी उन्होंने कभी हार नहीं मानी और वो प्यार से कभी निराश नहीं हुए. आमिर कहते हैं कि कुछ समय तक वो काफी संघर्ष कर रहे थे. उनका दिल अंदर ही अंदर टूट रहा था. पिछले साल तक वो कई लोगों से मिल रहे थे, लेकिन जैसी ही उन्हें किसी रिश्ते की शुरुआत होते दिखती, वो वहां से भाग निकलते. उन्हें लगने लगा था कि अब उनका दिल प्यार करने लायक नहीं है।

संजीदा शेख के साथ आमिर का रिश्ता टूटने की वजह एक्ट्रेस के एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर को बताया जाता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजीदा शेख और हर्षवर्धन राणे डेट कर रहे थे और इसी वजह से दोनों का तलाक हो गया. आमिर अली की एक्स–वाइफ संजीदा शेख संग शादी से एक बेटी है. तलाक के बाद बेटी की कस्टडी एक्ट्रेस के पास है. आमिर ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि वो अपनी बेटी से मिलते नहीं हैं।

विश्वास है कि मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकती हूं

स्पोर्ट्स डेस्क। सोनम ने कहा, मैं यहां राष्ट्रीय शिविर में सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीख रही हूं और अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं उसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूंगी। हॉकी इंडिया महिला लीग में शानदार प्रदर्शन करने के दम पर महिला प्रो लीग के लिए सीनियर राष्ट्रीय टीम के शिविर के लिए चुनी गई युवा हॉकी फारवर्ड सोनम को विश्वास है कि वह भारतीय टीम की तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। महिला लीग में तीन मैच में चार गोल करने वाली 19 साल की सोनम को टूर्नामेंट की उदीयमान खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वाधिक गोल किए। वह इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर रही।

भारत प्रो लीग में जर्मनी, नीदरलैंड, इंग्लैंड और स्पेन से भिड़ेगा। हरियाणा की रहने वाली सोनम ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, श्जब मेरे परिवार ने (राष्ट्रीय शिविर बुलाए जाने की) खबर सुनी तो उन्हें बहुत खुशी हुई। मुझे अच्छा लग रहा है और मेरा मानना है कि मैं भारत की तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती हूं। उन्होंने कहा, श्मैं यहां राष्ट्रीय शिविर में सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीख रही हूं और अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं उसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूंगी।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग

वॉलीबॉल के बालिका वर्ग में बरेली की टीम बनी चैंपियन, बिजनौर को हराया

संवाद न्यूज एजेंसी, बरेली। बरेली में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। अंतिम दिन विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। बरेली में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग जोनल प्रतियोगिता के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इज्जतनगर स्थित आईवीआरआई मैदान पर सीनियर बालिका वर्ग की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बिजनौर को हराकर बरेली की टीम विजेता बनी। वहीं, सीनियर बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में बिजनौर की टीम ने जीत हासिल की। सीनियर बालक वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में अमरोहा की टीम ने बिजनौर को हराया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बिजनौर की टीम विजयी रही। फुटबॉल प्रतियोगिता में संभल की टीम ने प्रथम और बिजनौर की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। जूनियर बालक वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता में शाहजहांपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सब–जूनियर बालक वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में अमरोहा की टीम ने संभल को हराकर बाजी मारी।

हर्षित–जडेजा के बाद आया श्रेयस शुभमन और अक्षर का तूफान

जीत के साथ भारत ने बनाई 1–0 से बढ़त

स्पोर्ट्स डेस्क। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 47.4 ओवर में 248 रन बनाए। जवाब में भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1–0 से बढ़त बना ली है। इससे पहले टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4–1 से हराकर सीरीज अपने नाम की थी। गुरुवार को नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 47.4 ओवर में 248 रन बनाए। जवाब में भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। वनडे विश्व कप 2023 के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने आठ में से सात वनडे मैच गंवाए हैं। अब टीम इंडिया की नजर दूसरे वनडे में जीत के साथ अजेय बढ़त बनाने पर होगी। यह मुकाबला कटक में नौ फरवरी को खेला जाएगा।

जायसवाल–रोहित के बाद गिल–अय्यर ने संभाला मोर्चा

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई थी। यशस्वी जायसवाल (15) और रोहित शर्मा (02) 19 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद मोर्चा शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 94 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान दाएं हाथ के बल्लेबाज श्रेयस ने अपने वनडे करियर का 19वां पचासा किया। इसके लिए उन्होंने 30 गेंदें खेलीं। इस प्रारूप में यह उनके बल्ले से निकली दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 28 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

अय्यर के बाद गिल को मिला अक्षर का साथ

30 वर्षीय बल्लेबाज को जैकब बेथेल ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। अय्यर 36 गेंदों में नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 59 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने शुभमन गिल का साथ दिया और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 100 से ज्यादा रनों की विशाल साझेदारी हुई, जिसे आदिल रशीद ने 34वें ओवर में तोड़ा। उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज अक्षर पटेल को बोल्ड किया। वह 47 गेंदों में 52 रन बनाकर लौटे। उन्होंने 46 गेंदों में अपने वनडे करियर का तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

गिल ने जड़ा वनडे में 14वां पचासा

छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे केएल राहुल सिर्फ दो रन बना सके। वहीं, शुभमन गिल 87 रनों की दमदार पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने 60 गेंदों में अपने करियर का 14वां अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने सात चौके लगाए। हार्दिक पांड्या ने नौ' और रवींद्र जडेजा' ने 12 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड के लिए साकिब महमूद और आदिल रशीद ने दो–दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और जैकब बेथेल को एक–एक सफलता मिली।

डेब्यू मैच में चमके हर्षित

डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर रवींद्र जडेजा की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने इंग्लैंड को 248 रन पर ऑलआउट कर दिया। इंग्लैंड के लिए कप्तान जोस बटलर और जैकेब बेथेल ने अर्धशतक जड़े जिस कारण टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। भारत की ओर से हर्षित और जडेजा ने तीन–तीन विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को एक–एक विकेट मिला।

बटलर और बेथेल ने लगाए अर्धशतक

फिल सॉल्ट और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। सॉल्ट के रन आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और हर्षित ने भारतीय टीम की वापसी कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके बाद बटलर ने सधी हुई बल्लेबाजी कर इंग्लैंड को संभाला, लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम फिर लड़खड़ाई। हालांकि, बेथेल टिके रहे और उन्होंने पचासा जड़ा। पर बेथेल के आउट होने के बाद शेष बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी। इंग्लैंड के लिए बटलर ने 52 रन, बेथेल ने 51 रन, सॉल्ट ने 43 रन और डकेट ने 32 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

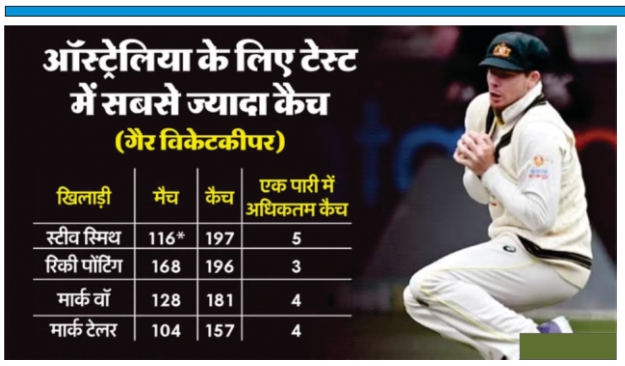

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकबला गॉल में जारी है। श्रीलंका की पहली पारी 257 रन पर सिमट गई थी। इस पारी में ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने दो कैच लपके। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा कैच (गैर–विकेटकीपर) लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया। अब स्मिथ की नजर महान राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड पर है। टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड द्रविड़ के नाम है।

भारत ने इंग्लैंड को नागपुर में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है। भारत की जीत में कई खिलाड़ियों ने योगदान दिया। इनमें रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं। जडेजा ने नौ ओवर में महज 26 रन देकर तीन विकेट झटके। इसमें एक मेडन भी शामिल है। इसी के साथ जडेजा एक खास सूची में भी शामिल हो गए। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मं 6000 से ज्यादा रन और 600 से ज्यादा विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गए। जडेजा का नाम दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में शुमार हो गया है।

कमाल के 'सर' रवींद्र जडेजा

कपिल–अकरम और पोलक की खास सूची में शामिल हुए जडेजा दुनिया के बेहतरीन आलराउंडर्स में हुए शुमार

जडेजा ने गुरुवार को नागपुर में जो रूट (19), जैकब बेथेल (51) और आदिल रशीद को पवेलियन भेजा। इसी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट यानी टेस्ट, वनडे और टी20 को मिलाकर 600 विकेट ले लिए हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।